DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

4 May, 2024

# राजनयिक पासपोर्ट

***संदर्भ:*** *जनता दल (सेक्युलर) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर यौन शोषण के आरोपों के बाद वह हाल ही में राजनयिक पासपोर्ट की सहायता से जर्मनी भाग गए।*

➢ **राजनयिक पासपोर्ट क्या है ?**

- राजनयिक पासपोर्ट, को उनके मैरून कवर से पहचाना जा सकता है, नियमित पासपोर्ट की तुलना में इस प्रकार के पासपोर्ट कम अवधि के लिए जारी किए जाते हैं।
- राजनयिक पासपोर्ट धारकों को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कुछ विशेषाधिकार और उन्मुक्तियां प्राप्त हैं, जिनमें मेजबान देश में गिरफ्तारी और कुछ कानूनी कार्यवाही से छूट शामिल है।

➢ **राजनयिक पासपोर्ट कौन प्राप्त कर सकता है?**

- राजनयिक पासपोर्ट ('टाइप डी' पासपोर्ट) पांच व्यापक श्रेणियों में व्यक्तियों को जारी किए जाते हैं:
  - राजनयिक स्थिति वाले।
  - विदेश में आधिकारिक व्यवसाय पर सरकार द्वारा नियुक्त व्यक्ति।
  - संयुक्त सचिव रैंक और उससे ऊपर के स्तर पर भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) की शाखा ए और बी के तहत काम करने वाले अधिकारी।
  - आईएफएस और एमईए अधिकारियों के रिश्तेदार और तत्काल परिवार।
  - केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों सहित सरकार की ओर से आधिकारिक यात्रा करने के लिए अधिकृत व्यक्ति।

➢ **राजनयिक पासपोर्ट कौन रद्द कर सकता है?**

- पासपोर्ट प्राधिकरण द्वारा राजनयिक पासपोर्ट को कई परिस्थितियों में रद्द किया जा सकता है, जिनमें शामिल हैं:
- अधिग्रहण के दौरान भौतिक जानकारी को गलत तरीके से दर्शाने पर।
- भारत की संप्रभुता, अखंडता या विदेशी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों के विरुद्ध।
- पासपोर्ट जारी होने के बाद भारतीय अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने पर कम से कम दो वर्ष की कैद होने पर।
- आपराधिक अदालत के समक्ष कथित अपराधों की कार्यवाही के दौरान अदालत के आदेश पर।

➢ **राजनयिक पासपोर्ट रखने के क्या लाभ हैं?**

- **राजनयिक प्रतिरक्षा**: राजनयिक पासपोर्ट धारक मेजबान देश में विशिष्ट कानूनी प्रक्रियाओं और दायित्वों से प्रतिरक्षा का आनंद लेते हैं, जो उन्हें संभावित कानूनी मुद्दों से बचाता है।
- **कर और शुल्क संबंधी छूट:** राजनयिक पासपोर्ट धारकों को अक्सर कुछ करों और कर्तव्यों से छूट दी जाती है, जिससे व्यक्तिगत और आधिकारिक आयात और खरीद पर वित्तीय दबाव कम हो जाता है।
- **त्वरित प्रवेश और निकास:** राजनयिक पासपोर्ट देशों से सुचारू प्रवेश और निकास की सुविधा प्रदान करते हैं, अक्सर तेज़ आव्रजन और सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के साथ।
- **राजनयिक चैनलों तक पहुंच:** राजनयिक पासपोर्ट रखने वाले व्यक्तियों के पास राजनयिक चैनलों और कार्यक्रमों तक पहुंच होती है, जिससे वे समकक्षों के साथ जुड़ने और आधिकारिक कार्यों में निर्बाध रूप से भाग लेने में सक्षम होते हैं।
- **उन्नत सुरक्षा उपाय:** राजनयिक पासपोर्ट धारक अक्सर आधिकारिक यात्राओं के दौरान बढ़े हुए सुरक्षा उपायों से लाभान्वित होते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित होती है।

# प्रेस एंड प्लैनेट इन डेंजर

***संदर्भ:*** *यूनेस्को द्वारा जारी एक नई रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में पर्यावरण पत्रकारों को बढ़ती हिंसा का सामना करना पड़ रहा है, जिस कारण 15 वर्षों में 44 मौतें हुई हैं।*

➢ **पर्यावरण पत्रकारों के विरुद्ध हिंसा का वैश्विक रुझान:**

- विगत 15 वर्षों में वैश्विक स्तर पर 44 पर्यावरण पत्रकार मारे गए हैं।
- इस सन्दर्भ में सबसे अधिक हत्याएं (कुल 30 मामले) एशिया और प्रशांत क्षेत्र में हुईं, इसके बाद लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में 11 मामले देखे गए।

➢ **सर्वेक्षण निष्कर्ष:**

- 129 देशों के 905 पत्रकारों और एजेंसियों के एक सर्वेक्षण से पता चला कि 70% पत्रकारों को हमलों, धमकियों या दबाव का सामना करना पड़ा।
- "प्रेस एंड प्लैनेट इन डेंजर" नमक रिपोर्ट को सैंटियागो, चिली में 2024 विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस वैश्विक सम्मेलन में लॉन्च किया गया था।
- पर्यावरण पत्रकारों के खिलाफ हमले 2009 और 2023 के बीच 249 से बढ़कर 2019 और 2023 के बीच 305 हो गए,अर्थात वैश्विक स्तर पर प्रति वर्ष औसतन 50 हमले दर्ज किये गए।

➢ **हमलों की प्रकृति:**

- उपर्युक्त वर्णित हमले पुलिस, सैन्य बलों और सरकारी अधिकारियों जैसी राज्य मशीनरी के साथ-साथ निष्कर्षण उद्योग कंपनियों और आपराधिक समूहों जैसे निजी अभिनेताओं की ओर से हुए हैं।
- राज्य अभिनेता संबंधी हमले वर्ष 2014 और 2018 के बीच 111 घटनाओं से बढ़कर वर्ष 2019 और 2023 के बीच 174 हो गए।
- इन हमलों में शारीरिक हमले, उत्पीड़न, मनमानी हिरासत, आपराधिक आरोप, कारावास और मानहानि जैसी घटनाएं शामिल हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

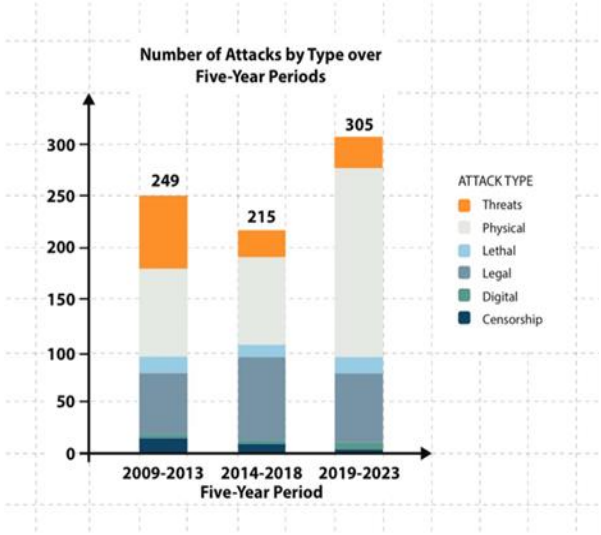


➢ **हमलों के विषय और स्थान:**

- पर्यावरणीय विरोध, खनन, भूमि संघर्ष, वनों की कटाई, प्रदूषण और जीवाश्म ईंधन उद्योग पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को सबसे अधिक जोखिम का सामना करना पड़ा।
- पर्यावरणीय विरोध, खनन और भूमि संघर्ष को कवर करने वाले पत्रकारों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया।
- एशिया और प्रशांत क्षेत्र में मारे गए पत्रकार विशेष रूप से खनन, वनों की कटाई और भूमि संघर्ष को कवर कर रहे थे।

**मामलों की कानूनी स्थिति:** सभी दस्तावेजित मामलों में से, 19 अनसुलझे हैं, केवल पांच में दोषसिद्धि हुई है, और पांच की जांच चल रही है।

➢ **चुनौतियाँ और सिफ़ारिशें:**

- न्यूज़रूम के भीतर हितों का टकराव अक्सर पर्यावरणीय मुद्दों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों के बीच आंतरिक सेंसरशिप और आत्म-सेंसरशिप को जन्म देता है।
- पर्यावरण पत्रकारिता पर्यावरणीय संकटों की वैश्विक समझ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- हितधारकों को प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकार सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए, विशेष रूप से अल्प-संसाधन वाले क्षेत्रों में पत्रकारों को प्रशिक्षित करने और उन्हें सुसज्जित करने के लिए धन और संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए।

## एटा एक्वारिड (Eta Aquariid)

***संदर्भ**: 15 अप्रैल से जारी एटा एक्वारिड उल्कापात 5 और 6 मई को अपने चरम पर पहुंच जाएगा।*

➢ **धूमकेतु क्या हैं?**

- धूमकेतु सौर मंडल निर्माण सामग्री के अवशेष हैं, जिनमें धूल, चट्टान, गैस और बर्फ शामिल हैं।
- वे अत्यधिक अण्डाकार पथों में सूर्य की परिक्रमा करते हैं; कुछ को अपनी परिक्रमा पूरी करने में सैकड़ों-हजारों वर्ष लग जाते हैं।
- नासा का अनुमान है कि अब तक 3,910 ज्ञात धूमकेतु मौजूद हैं, विशेषतः कुइपर बेल्ट और ऊर्ट बादल में संभावित रूप से अरबों धूमकेतु हैं।

➢ **उल्कापात और धूमकेतु के बीच संबंध:**

- उल्कापात पृथ्वी के अपने कक्षीय तल में धूमकेतुओं द्वारा छोड़े गए मलबे से गुजरने के कारण होता है।
- उल्काएं धूल या चट्टान के कण हैं जो पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते ही जल जाते हैं, जिससे छोटी पूंछ बन जाती हैं।
- कभी-कभी, बड़े उल्कापिंड वायुमंडलीय प्रवेश से बच जाते हैं और उल्कापिंड के रूप में जमीन से टकराते हैं, जिससे क्षति होती है।

➢ **एटा एक्वारिड्स की अनूठी विशेषताएं:**

- एटा एक्वारिड्स उल्कापात की उत्पत्ति हैली धूमकेतु के कक्षीय तल से होती है, जो प्रत्येक 76 वर्ष में देखी जा सकती है।
- अपनी तीव्र गति के लिए जाने जाने वाले, एटा एक्वेरिड उल्काएं लंबी, चमकती पूंछ बनाती हैं जो कई मिनटों तक चल सकती हैं।
- दक्षिणी गोलार्ध में, पर्यवेक्षक चरम काल के दौरान प्रति घंटे लगभग 30 से 40 उल्काएं देखने की उम्मीद कर सकते हैं, जबकि उत्तरी गोलार्ध में, यहि दर घटकर लगभग 10 उल्काएं प्रति घंटे हो जाती है।
- "दीप्तिमान" की अवस्था उल्कापात की दृश्यता निर्धारित करता है, उत्तरी गोलार्ध के पर्यवेक्षक अक्सर "पृथ्वी की कक्षा में भ्रमण करने वालों" को देखते हैं और दक्षिणी गोलार्ध के पर्यवेक्षकों को स्पष्ट दृश्यों का अनुभव होता है।

➢ **एटा एक्वारिड उल्कापात का अवलोकन:**

- ऐसा प्रतीत होता है कि उल्कापात कुंभ (Aquarius) तारामंडल से उत्पन्न हुआ है, इसलिए इसका नाम "एटा एक्वेरिड" है।
- इष्टतम दृश्य स्थितियों में चंद्रमा या कृत्रिम स्रोतों से न्यूनतम प्रकाश प्रदूषण के साथ एक स्पष्ट रात्रि आकाश शामिल है।
- यहां तक कि एक बुनियादी दूरबीन से भी इस खगोलीय दृश्य को देखा जा सकता है।

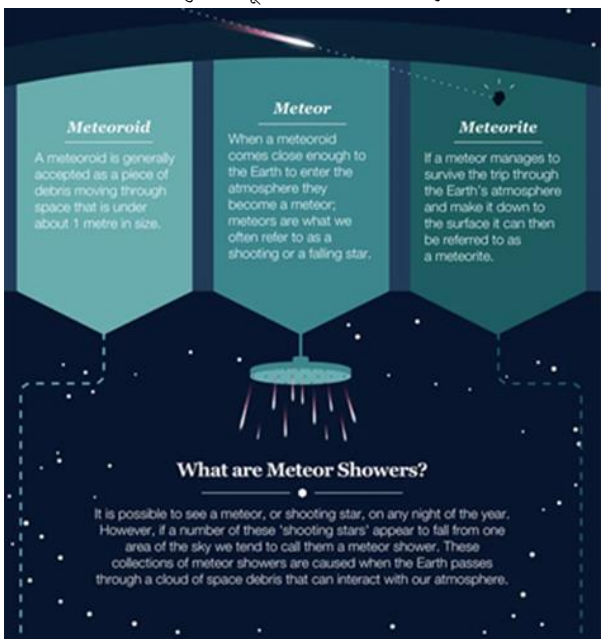

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

4 May, 2024

# NEWS IN BETWEEN THE LINES

## आईएनसीओआईएस

*हाल ही में, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) ने तटीय राज्यों गोवा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, लक्षद्वीप तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को उच्च ऊर्जा वाली लहरों की संभावना के बारे में सचेत किया है।*

**आईसीओआईएस के बारे में:**

- भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) के तहत एक स्वायत्त संगठन है और नई दिल्ली में पृथ्वी प्रणाली विज्ञान संगठन (ESSO) का एक प्रभाग है।
- इसकी स्थापना 1998 में हुई थी और यह प्रगति नगर, हैदराबाद में स्थित है।
- इसका मिशन निरंतर समुद्री अवलोकन और अनुसंधान के माध्यम से वैज्ञानिक समुदाय, सरकार, व्यवसाय और समाज को समुद्री जानकारी और सलाहकार सेवाएं प्रदान करना है।
- यह भारतीय सुनामी प्रारंभिक चेतावनी केंद्र (ITEWC) के माध्यम से सुनामी, तूफान, ऊंची लहरों आदि के संबंध में तटीय आबादी के लिए चौबीसों घंटे निगरानी और चेतावनी सेवाएं प्रदान करता है।
- इसे इंटरगवर्नमेंटल ओशनोग्राफिक कमीशन (IOC) के इंटरनेशनल ओशनोग्राफिक डेटा एक्सचेंज प्रोग्राम (IODE) द्वारा राष्ट्रीय ओशनोग्राफिक डेटा सेंटर के रूप में नामित किया गया है।

## THOTA, 1994

*हाल ही में, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने ट्रांसप्लांटेशन ऑफ ह्यूमन ऑर्गन्स एंड टिश्यूज एक्ट (THOTA), 1994 के तहत एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है।*

**THOTA, 1994 के बारे में:**

- ट्रांसप्लांटेशन ऑफ ह्यूमन ऑर्गन्स एंड टिश्यूज एक्ट (THOTA) 1994 चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए मानव अंगों और ऊतकों के निष्कासन, भंडारण और प्रत्यारोपण को नियंत्रित करता है।
- यह अधिनियम 4 फरवरी 1994 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा पेश किया गया था।
- इस अधिनियम का उद्देश्य मानव अंगों और ऊतकों में व्यावसायिक लेन-देन को रोकना है।
- यह स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और अस्पतालों को नियंत्रित करने वाले नियमों को निर्धारित करता है और उल्लंघन के लिए दंड का प्रावधान करता है।
- अधिकांश स्थितियों में, यह अधिनियम निकट संबंधियों जैसे भाई-बहनों, माता-पिता, बच्चों, जीवनसाथी, दादा-दादी और नाना-नानी और नाती-पोतियों से जीवित दान को अधिकृत करता है।
- अधिनियम मस्तिष्क स्टेम मृत्यु के बाद लगभग 37 विभिन्न अंगों और ऊतकों के दान की भी अनुमति देता है, जिसमें महत्वपूर्ण अंग जैसे कि गुर्दे, हृदय, यकृत और फेफड़े शामिल हैं।
- 2022 में, भारत में कुल 16,041 अंगों का दान किया गया, जिनमें गुर्दे सबसे अधिक दान किए जाने वाले अंग थे।
- दिल्ली में सबसे अधिक दान दर्ज किए गए, जहां 3,818 अंग दान किए गए।

## ओरंगुटान

*हाल ही में, इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर एक नर ओरंगुटान को जर्मन और इंडोनेशियाई वैज्ञानिकों द्वारा उसके चेहरे पर घाव का इलाज करने के लिए एक औषधीय पौधे का उपयोग करते हुए वीडियो में रिकॉर्ड किया गया है।*

**ओरंगुटान के बारे में:**

- ओरंगुटान आम चिंपैंजी, गोरिल्ला और बोनोबोस के साथ-साथ महान वानरों की मौजूदा प्रजातियों में से एक है।
- अपने निवास स्थान की प्राथमिकता के कारण उन्हें मलय में "जंगल का आदमी" के रूप में जाना जाता है।
- वे सुमात्रा (इंडोनेशिया) और बोर्नियो (मलेशिया, इंडोनेशिया और ब्रुनेई के बीच विभाजित) द्वीपों में पाए जाते हैं।
- ऑरंगुटान तीन प्रकार के होते हैं: सुमात्राण, बोर्नियन और तपानुली।
- वे पेड़ों पर रहने वाले सबसे बड़े स्तनधारी हैं और मनुष्यों से निकटता से संबंधित हैं, उनके डीएनए का 97% हिस्सा साझा करते हैं।
- उनकी लंबी भुजाएं, भूरी त्वचा और लंबे, विरल लाल-भूरे बाल हैं।
- प्रत्येक प्रकार आनुवंशिकी, आकृति विज्ञान और व्यवहार के संदर्भ में भिन्न है।
- ओरंगुटान को मुख्य रूप से निवास स्थान की क्षति, वनों की कटाई और अवैध शिकार के कारण गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- ओरंगुटान अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं और जटिल सामाजिक व्यवहार प्रदर्शित करते हैं।
- वे मुख्य रूप से एकान्त प्राणी हैं, वयस्क नर के पास बड़े आवास क्षेत्र होते हैं।
- अपनी उपकरण-उपयोग क्षमताओं के लिए जाने जाने वाले, ऑरंगुटान भोजन और संचार सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए उपकरणों का उपयोग करते हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

4 May, 2024

## ऑक्सीटोसिन

*हाल ही में, दिल्ली हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी की डेयरी कॉलोनियों में ऑक्सीटोसिन हार्मोन के अत्यधिक इस्तेमाल पर चिंता जताई है। इसे "पशु क्रूरता" बताते हुए अदालत ने इसके दुरुपयोग के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया है।*

**ऑक्सीटोसिन के बारे में:**

- ऑक्सीटोसिन हाइपोथैलेमस द्वारा निर्मित और पिट्यूटरी ग्रंथि द्वारा रिलीज़ किया जाने वाला एक हार्मोन है।
- यह प्रसव, स्तनपान और सामाजिक बंधन सहित विभिन्न शारीरिक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- इसका उपयोग चिकित्सकीय रूप से प्रसव को प्रेरित करने और प्रसव के बाद होने वाले रक्तस्राव को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।
- डेयरी के मवेशियों में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए इसका पशु पालन में दुरुपयोग किया जाता रहा है।
- डेयरी पालन में ऑक्सीटोसिन के दुरुपयोग से जानवरों में प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव पड़ सकते हैं, जिनमें गर्भाशय संक्रमण और प्रजनन संबंधी विकार शामिल हैं।
- ऑक्सीटोसिन से उपचारित जानवरों के दूध के सेवन से मनुष्यों में हार्मोनल असंतुलन और एलर्जी जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।
- डेयरी पालन में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण केंद्र सरकार ने अप्रैल 2018 में पशु चिकित्सा उपयोग के लिए इसके प्रतिबंध को लगा दिया था।
- औषधि नियंत्रण विभाग जैसे सरकारी प्राधिकरण पशुओं में ऑक्सीटोसिन के अवैध उत्पादन, वितरण और उपयोग को रोकने के लिए निरीक्षण करते हैं और कानून लागू करते हैं।
- केंद्र सरकार ने देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड को ही ऑक्सीटोसिन उत्पादन की अनुमति दी है।
- चूंकि ऑक्सीटोसिन का प्रयोग पशुओं के साथ क्रूरता है, और यह पशु क्रूरता रोकथाम अधिनियम, 1960 की धारा 12 के तहत संज्ञेय अपराध है।

## सुर्खियों में स्थल

## नीदरलैंड्स

*हाल ही में, 12वां भारत-नीदरलैंड विदेश कार्यालय परामर्श नीदरलैंड्स के हेग में आयोजित किया गया था।*

**नीदरलैंड्स (राजधानी: एम्स्टर्डम)**

**अवस्थिति:** यह यूरोप के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित देश। इसे हॉलैंड के नाम से भी जाना जाता है।

**भौतिक सीमाएँ:** जर्मनी (पूर्व), उत्तरी सागर (उत्तर और पश्चिम) और बेल्जियम (दक्षिण) के साथ सीमाएँ साझा करता है।

**भौगोलिक विशेषताएँ:**

- नीदरलैंड्स का सबसे ऊँचा प्राकृतिक बिंदु वॉल्सरबर्ग है।
- नीदरलैंड्स से कई नदियां बहती हैं जिनमें राइन, मीयूज और स्केल्ड शामिल हैं।

**भारत-नीदरलैंड्स संबंध**

- भारत और नीदरलैंड्स ने 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित किए, जिसने 2022 में 75 साल की राजनयिक भागीदारी का प्रतीक बनाया।
- नीदरलैंड्स यूरोप में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और यह भारत में चौथा सबसे बड़ा निवेशक भी है।
- अप्रैल-मई 2023-24 के दौरान भारत ने नीदरलैंड्स को 3.29 बिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य की विभिन्न वस्तुओं का निर्यात किया, जिनमें पेट्रोलियम उत्पाद, दूरसंचार उपकरण, एल्यूमीनियम, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, लोहा और इस्पात शामिल हैं।

## POINTS TO PONDER

- दक्षिण अफ्रीका में अश्वेत विरोधी आंदोलन की नींव किसने रखी, उन्होंने ने ही 1894 में पहला उपनिवेशवाद विरोधी और नस्लीय भेदभाव विरोधी आंदोलन स्थापित किया और नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना की? – **महात्मा गांधी**
- किस संगठन ने हाल ही में 'एट द हेलम: वूमन एंटरप्रेन्योर्स ट्रांसफॉर्मिंग मिडिल इंडिया' शीर्षक वाला श्वेत पत्र जारी किया? – **भारतीय रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच)**
- किस प्रसिद्ध शिक्षाविद, जिन्हें प्रायः महात्मा हंसराज के नाम से जाना जाता है, ने 1886 में गुरु दत्त विद्यार्थी के साथ लाहौर में पहली दयानंद एंग्लो-वैदिक स्कूल प्रणाली (डीएवी) की सह-स्थापना की? – **लाला हंसराज (1864-1938)**
- हाल ही में, रूसी सरकार ने कथित तौर पर यूक्रेनी सैन्य प्रणालियों को निशाना बनाने वाले नए फुटेज जारी किए? – **हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम्स (HIMARS)**
- भारत द्वारा दावा किया जाने वाला कौन सा क्षेत्र उत्तर में चीन के झिंजियांग प्रांत और पूर्व में सियाचिन ग्लेशियर क्षेत्र की सीमा बनाता है? – **शक्सगाम घाटी (इसे ट्रांस काराकोरम ट्रैक्ट के रूप में भी जाना जाता है, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के हुर्जा-गिलगित क्षेत्र का हिस्सा है)**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com